नवरात्रि शक्ति पर्व में

नवार्ण दीक्षा

नवार्ण मंत्र **ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै** में नवाक्षर हैं जो नवदुर्गा की नवशक्तियां है। तीन बीजाक्षर **'ऐं ह्रीं क्लीं'** तांत्रिक साधना का आधार है। **'ऐं'** सरस्वती का, **'ह्रीं'** महालक्ष्मी और **'क्लीं'** काली का बीजाक्षर है। **नवार्ण मंत्र सिद्धि जीवन की श्रेष्ठ सिद्धि है।**

नवार्ण मंत्र के नौ अक्षर, नौ बीज है –

ऐं – सरस्वती बीज है, स्मरण शक्ति तीव्र होती है।

ह्रीं – लक्ष्मी बीज है, इससे दरिद्रता दूर होती है।

क्लीं – काली बीज है, इससे शत्रुओं का संहार होता है।

चा – सौभाग्य बीज है, गृहस्थ जीवन में आनन्द प्राप्त होता है।

मुं – आत्म मंत्र बीज है, कुण्डलिनी जाग्रत होती है।

डा – सन्तान सुख बीज है, संतान दीर्घायु होती है।

यै – भाग्योदय बीज है, सफलता प्राप्त होती है।

वि – सम्मान, प्रसिद्धि, उच्चता, श्रेष्ठता का बीज मंत्र है।

च्चे – सम्पूर्णता का बीज है, सफलता प्राप्त होती है।

जीवन में इच्छाओं की पूर्ति करना, ज्ञान-चेतना प्राप्त करना, सिद्धियों को हस्तगत करना, कंठ में वाग् देवी सरस्वती को स्थापित करना, सहस्रार भेदन कर कुण्डलिनी जागरण के माध्यम से ब्रह्माण्ड चेतना प्राप्त करना, यह सभी नवार्ण दीक्षा प्राप्त कर नवार्ण मंत्र जप से सहज सम्भव है।

यह सब नवार्ण मंत्र के माध्यम से ही सम्भव है, क्योंकि इसके प्रत्येक बीज अपने आप में महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के प्रतीक हैं।

जब जीवन का प्रत्येक पक्ष विघ्न-बाधाओं से घिर जाय, शत्रु पग-पग पर चोट पहुंचाने लगें, अपने कहे जाने वाले लोग भी जब जीना मुश्किल कर दें, हर स्थिति में जब वंचना की ही स्थिति दिखाई दे, तब नवार्ण दीक्षा साधक के लिए सम्बल होगी, जो नई स्फूर्ति और शक्ति प्रदान करके जीवन के प्रति आशा की नई किरण प्रस्फुरित करेगी, जीवन में आनन्दपूर्वक जीने की नई विधि उजागर हो सकेगी तथा साधना के क्षेत्र में भी शीघ्र सफलता दृष्टिगोचर होगी।

नवार्ण दीक्षा न्यौछावर (प्रति चरण) – 2100/-

नवार्ण दीक्षा के लाभ

- ✧ कितनी भी दरिद्रता हो, कैसा ही दुर्भाग्य हो, नवार्ण दीक्षा प्राप्त करने से साधक का दुर्भाग्य समाप्त होता है और वह आर्थिक दृष्टि से उन्नति की ओर अग्रसर होने लगता है।
- ✧ लक्ष्मी आबद्ध होकर कई-कई पीढ़ियों के लिए घर में निवास करती है।
- ✧ नवार्ण दीक्षा प्राप्त कर नवार्ण मंत्र जप करने से व्यापार वृद्धि होती है।
- ✧ रोग-शान्ति के लिए नवार्ण दीक्षा प्राप्त कर नवार्ण मंत्र जप श्रेष्ठ है।
- ✧ शक्तिपात युक्त नवार्ण दीक्षा प्राप्त कर, नवार्ण मंत्र जप से भूत-प्रेत बाधा समाप्त होती है।
- ✧ नवार्ण दीक्षा से साधक में सम्मोहन, वशीकरण शक्ति का विकास होता है।